Student ADVISOR®
A different way of learning ...
Excellent Series

अक्षर लहर

Low Price Edition

अ

अनार

अ से अनार, बाजार से लाओ।
बैठ प्यार से, इसको खाओ।।

आ

आम

आ से आम, है मीठा-ताजा।
सभी फलों का, है यह राजा॥

इ

इमली

इ से इमली, बोलो कैसी।
खट्टी-मीठी, टॉफी जैसी।।

ई

ईख

ई से ईख, ईख ही गन्ना।
गुड़ और चीनी, खाए मुन्ना।।

उ

उल्लू

उ 'उ' से उल्लू, रात में जगता।
दिन में अन्धा, देख न सकता।।

ऊ

ऊन

ऊ से ऊन, ऊन का गोला।
इसका स्वेटर, पहने भोला।।

ऋ

ऋ से ऋषि, लगाते ध्यान।
इनकी बातों में है ज्ञान॥

ए

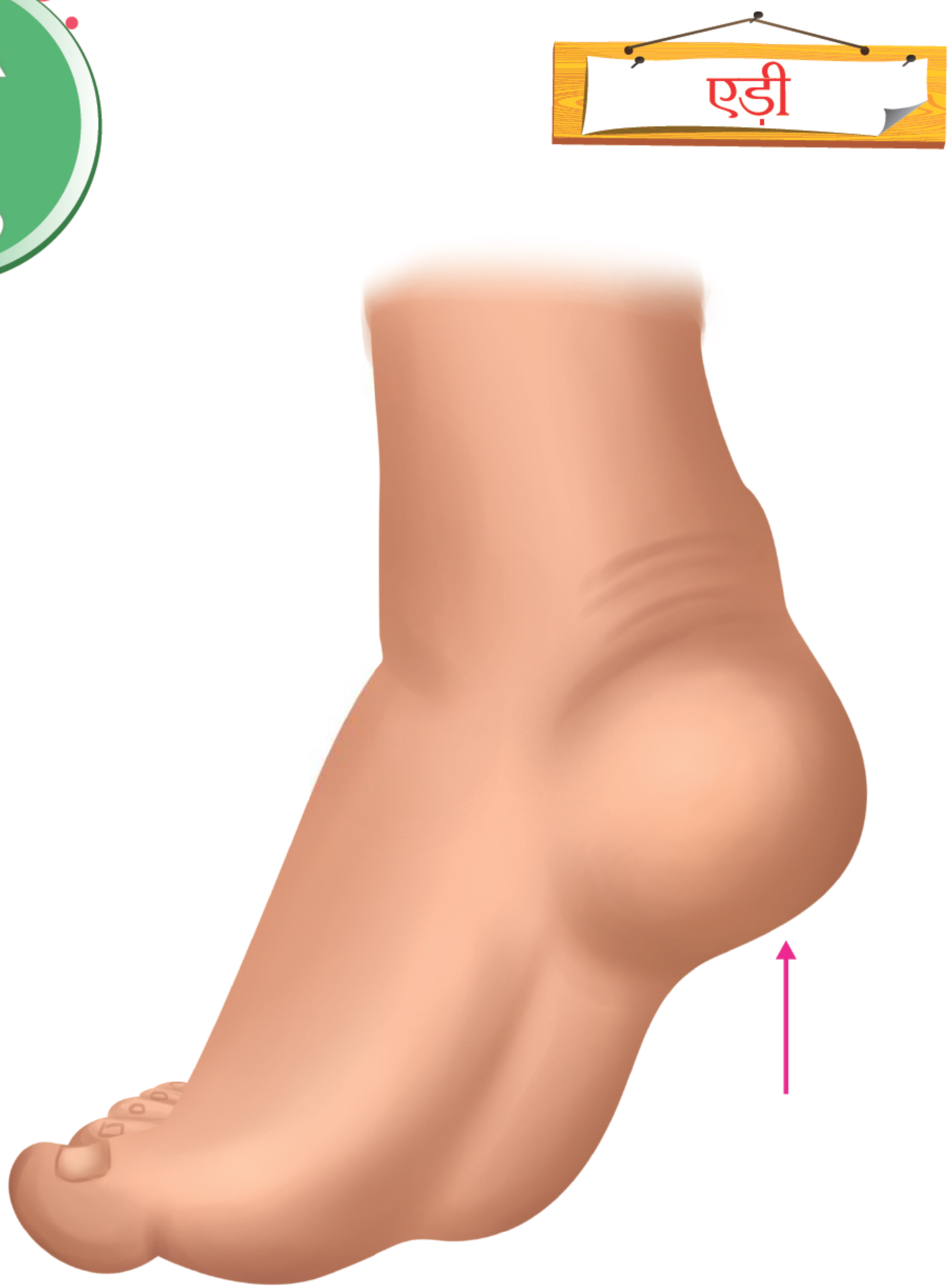

ए से एड़ी, तुम भी उठाओ।
मेरे कदम से कदम मिलाओ।।

ऐ

ऐनक

ऐ से ऐनक, कितनी प्यारी।
नाक-कान की करे सवारी॥

ओ

ओखली

ओ से ओखली, कितनी सुन्दर।
कुछ भी कूटो इसके अन्दर।।

औ

औरत

औ से औरत, स्त्री–नारी।
मम्मी, दादी, नानी प्यारी।।

अं

अंगूर

अं से अंगूर, हरे और काले।
खट्टे-मीठे, बड़े निराले।।

अः हः हः

अः

अः से अह-ह, जब तुम हँसते।
बोलो, कितने प्यारे लगते।।

क

क से कबूतर, मन को भाए।
गुटुर-गुटुर-गूँ, गीत सुनाए।।

ख

ख से खरगोश, भोला-भाला।
नानी ने है उसको पाला।।

ग

ग से गमला, इसमें फूल।
तोड़ इन्हें तुम करो न भूल।।

घ

घ से घड़ी, ये टिक्-टिक् करती।
जब देखो तब चलती रहती।।

ङ

च

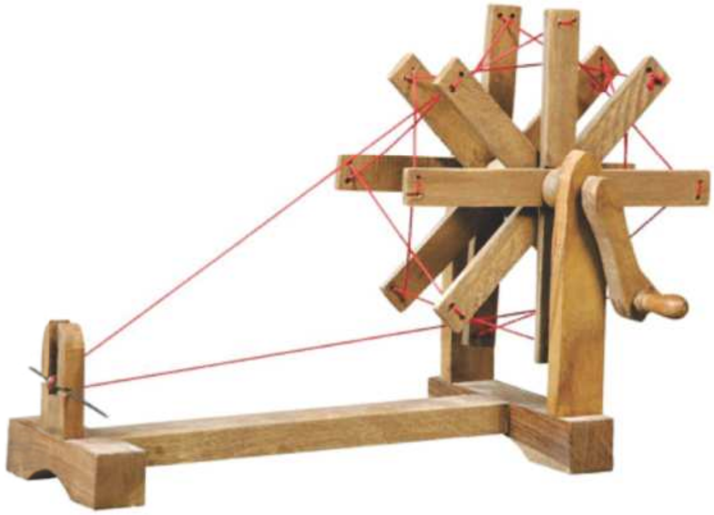

च से चरखा, बापू लाए।
सूत कात, कपड़े बनवाए।।

छ

छ से छतरी, सबको भाए।
बारिश-धूप से, सदा बचाए।।

ज

जहाज

ज से जहाज, चले जल-अन्दर।
पार कराये, सात समन्दर॥

झरना

झ

झ से झरना, बहता जाए।
कल-कल, छल-छल, गीत सुनाए॥

अ

ट

ट से टमाटर, कितना लाल।
खाकर इसको, करो कमाल।।

ठ

ठ से ठठेरा, ठक्-ठक् करता।
तब जाकर एक बर्तन बनता।।

ड

ड से डमरू, बाजे डम-डम।
सुनकर गुड़िया, नाचे छम-छम।।

ढ

ढ से ढक्कन, ढकता बरतन।
तब बचता, चूहों से भोजन।।

ण

त

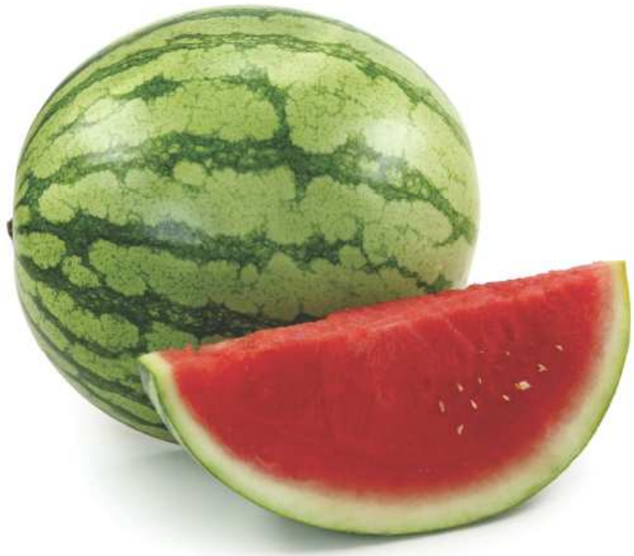

त से तरबूज, है मोटी खाल।
हरा है बाहर, अन्दर लाल।।

थ

थ से थरमस, इसमें पानी।
पीकर प्यास, बुझालो रानी।।

द

दवात

द से दवात, है इसमें स्याही।
काली-नीली, या मनचाही॥

ध

धनुष

ध से धनुष, राम का प्यारा।
जिससे राक्षस, रावण मारा॥

न

न से नल में पानी आता।
हम सबकी जो प्यास बुझाता।।

प

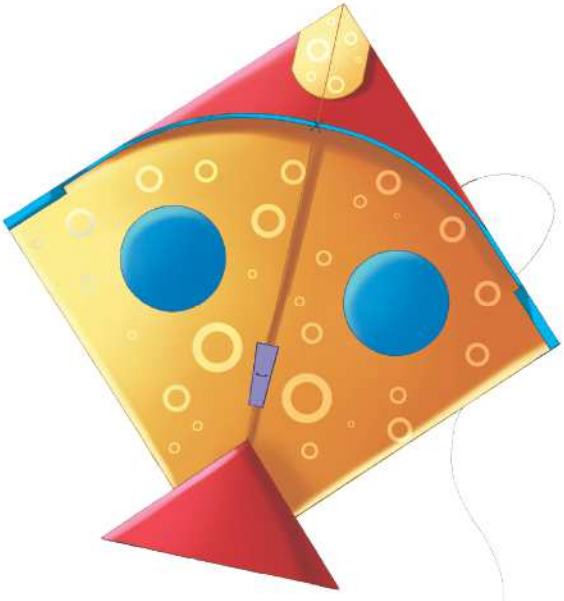

प से पतंग, हवा में उड़ती।
आसमान की सैर ये करती।।

फ

फल

फ से फल, यदि प्रतिदिन खाओ।
सुन्दर, स्वस्थ, बली बन जाओ॥

ब

बस

ब से बस, इसमें जाएँगे।
सैर-सपाटा, कर आएँगे॥

भ

भालू

भ से भालू, नाच दिखाता।
हम सबको, वह बहुत हँसाता॥

मछली

म

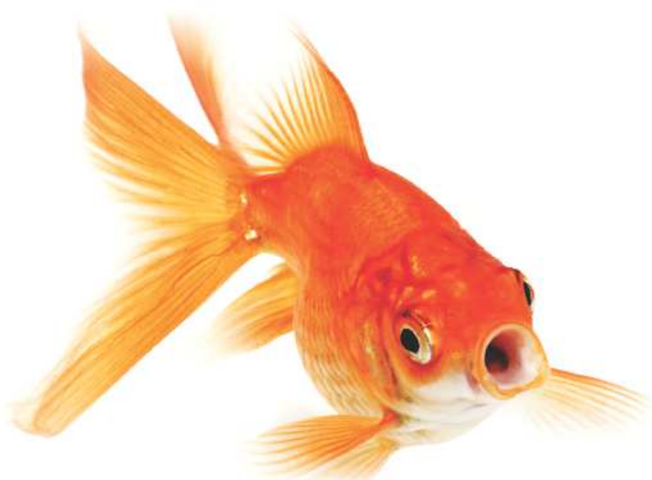

म से मछली, जल में रहती।
नहीं किसी से, कुछ भी कहती॥

य

य से यज्ञ, करें सब ज्ञानी।
इसकी महिमा, सबने मानी।।

र

र से रथ, जो दौड़े सरपट।
मंजिल पर, पहुँचाए झटपट।।

ल

लट्टू

ल से लट्टू, गोल-मटोल।
बोलो सच-सच, मीठे बोल।।

व

वक

व से वक, पानी में आता।
दाँव लगाकर, मछली खाता।।

श

श से शलगम, ले लो भैया।
एक किलो के, पाँच रुपैया॥

ष

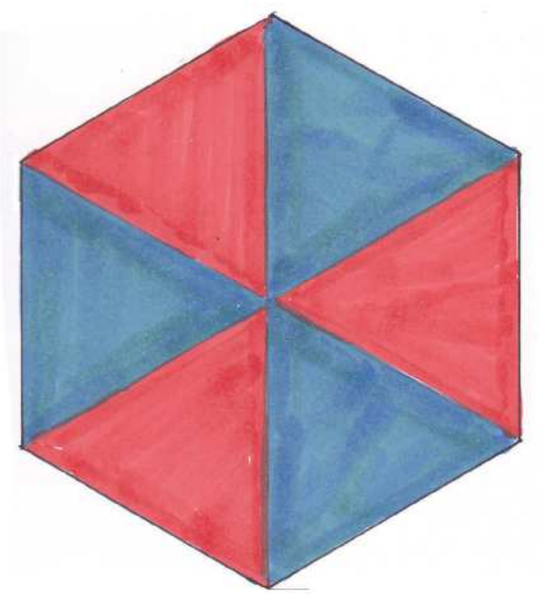

ष से शुरू हुआ षट्कोण।
बोलो कितने? छः हैं कोण॥

स

सपेरा

स से सपेरा, बीन बजाए।
झूम-झूम कर, साँप नचाए।।

हल

ह

ह से हल ने धरती जोती।
इसके बिना, न खेती होती।।

क्ष

क्षत्रिय

क्ष से क्षत्रिय, वीर-बहादुर।
दुश्मन भागे, इनसे डरकर॥

त्रिशूल

त्र

त्र से त्रिशूल, जो शिवजी धरते।
दुष्ट दैत्य इसे, देखके डरते॥

ज्ञ

ज्ञानी

ज्ञ से ज्ञानी, दें हमें ज्ञान।
गुरु का करो, सदा सम्मान।।

श्रमिक

श्र

श्र से श्रमिक है इसका नाम।
मेहनत करना इसका काम।।

ड़

ड़ रबड़ हमारे मन को भाए।
जहाँ गलत हो, उसे मिटाए॥

ढ़

ढ़ मेरी बात समझो मेरे भाई।
मन लगाकर करो पढ़ाई॥